

21/854

1830
21/12/2020

2021/854

न्यायालय उदयपुरवाटी जिला सुकुनु (राज.)

न्यायालय उदयपुरवाटी

भेन्नास

सरकार जमि भूमि

1829
2021

रिपोर्ट पटवारी हलना/आडोएल03आरो
आवेदन पत्र के संकल्प में जांच की गई। जिसके अनुसार
प्राची द्वारा उरुनुत दस्तावेज के आधार पर राजार कृष्ण आचार्य कांडल
माता का आशाए कांडल के आधार पर प्राची सतिता पुती हनुमान के कांडल
नरनात पुती हनुमान कांडल किया जांगा उचित है

02/12/2020
स. म. पावरा

2021

रकीता
(न्यायाधीश न्यायालय उदयपुरवाटी)
न्यायाधीश

क्रमांक - राजरव/2020/

दिनांक -

मूल ही उपर्युक्त अधिकारी मालिक उदयपुरवाटी को प्रेषित कर दिया है कि आवेदन पत्र में वर्णितानुसार आवेदन का नाम उरुनुत किया जाना उचित है/ उचित नहीं है। आवेदन का नाम उरुनुत किया जाना की अधिशया की जाती है / की जाती है।

उरुनुत किया जाना उचित है

राजेश्वर
तहसीलदार उदयपुरवाटी/मुद्रागोडजी

न्यायालय उदयपुरवाटी जिला सुकुनु (राज.)
- आदेश -

दिनांक - 21/12/20

प्राची के खता दुररती प्राथम पत्र, पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजी साक्षी एवं तहसीलदार (मू030) उदयपुरवाटी/मुद्रागोडजी की रिपोर्ट के आधार पर राजारथल मू-राजरव अधिनियम 1956 की धारा 136 के अनुसरण में निम्नांकित दर्ज प्रविष्टि को निम्नांकित रूप से पुनः किया जाकर तहसीलदार (मू030) उदयपुरवाटी/मुद्रागोडजी को राजरव रिकार्ड में अमल दरामद के आदेश दिया जाय है।

क्र.स	ग्राम	जमावन्दी सम्यत्	खाता संख्या	दांगान प्रविष्टि (अशुद्ध)	आदेश (शुद्ध प्रविष्टि जो राजरव रिकार्ड में दर्जकी जानी है।)
1	पापडा कांडल	2075-78	87	सतिता पुती हनुमान जानि माली	नरनात पुती हनुमान जानि माली

नोट :-शेष प्रविष्टियां यथावत रहेंगी तथा यदि उक्त भूमि रहन ही तो रहन मुक्त होने के उपरान्त निर्णय की पालना की जावे।

उपस्थित अधिकारी, उदयपुरवाटी

दिनांक - 21/12/20

क्रमांक - राजरव/2020/1187-88
प्रतिरिपि -

1. तहसीलदार (मू030) उदयपुरवाटी/मुद्रागोडजी को वास्तु पालनी।
2. प्राची/प्राचीया को सूचनाार्थ।

उपस्थित अधिकारी, उदयपुरवाटी